सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-204
23/04/2018

बाबू वीर कुंवर सिंह के दिए गए सामाजिक समरसता के संदेशों को आत्मसात करें :– मुख्यमंत्री

पटना, 23 अप्रैल 2018 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने 1857 के सिपाही विद्रोह के महानायक बाबू वीर कुँवर सिंह के 160वें विजयोत्सव के अवसर पर आयोजित वीर कुँवर सिंह विजयोत्सव–2018 का दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन किया। बाबू वीर कुँवर सिंह के पैतृक गाँव जगदीशपुर में बने हेलीपैड पर स्थानीय नेताओं ने फूलों का गुलदस्ता एवं माला भेंट कर मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया। हेलीपैड से मुख्यमंत्री का काफिला जगदीशपुर स्थित बाबू वीर कुँवर के किले में पहुँचा जहाँ स्थानीय लोगों ने मुख्यमंत्री का फूल–मालाओं से जोरदार स्वागत किया।

मुख्यमंत्री ने मशाल जलाने के बाद शोभा यात्रा के लिये तैयार झांकी जिसमें अपने सैनिकों के साथ पालकी पर सवार बाबू वीर कुँवर सिंह को किले में आगमन के बाद पगड़ी पहनाकर तलवार भेंट किया। किला प्रांगण में स्थापित बाबू वीर कुँवर सिंह की प्रतिमा पर मुख्यमंत्री ने माल्यार्पण करने के बाद बाबू वीर कुँवर सिंह स्मृति संग्रहालय में नवनिर्मित कला दीर्घाओं का लोकार्पण किया। नवनिर्मित कला दीर्घा में लगी पेंटिंग्स का मुख्यमंत्री ने अवलोकन किया। किला प्रांगण में बाबू वीर कुँवर सिंह के म्यूरल, विभिन्न मुद्राओं में टेराकोटा से बनी कलाकृतियों को लोकार्पित करने के बाद मुख्यमंत्री ने सूक्ष्मतापूर्वक उनका अवलोकन किया।

वीर कुँवर सिंह विजयोत्सव–2018 के अवसर पर जगदीशपुर प्रखंड के दुरौल गाँव में आयोजित जनसभा को लेकर बने मुख्य मंच पर कला संस्कृति एवं युवा विभाग के प्रधान सचिव श्री चैतन्य प्रसाद ने गुलदस्ता और जिलाधकारी ने स्मृति चिन्ह भेंटकर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। जनसभा मंच पर लगी बाबू वीर कुँवर सिंह की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर मुख्यमंत्री ने उन्हें नमन किया। बाबू वीर कुँवर सिंह के विजयोत्सव पर आधारित कलाकारों द्वारा गीत एवं शौर्यगाथा पर आधारित एक नाटक कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किया गया। जनसभा मंच से एक साथ विभिन्न विभागों की कई योजनाओं का मुख्यमंत्री ने रिमोट के माध्यम से उद्घाटन एवं शिलान्यास किया, जिसमें बाबू वीर कुँवर से जुड़े स्थलों का जीर्णोद्धार भी शामिल है।

विजयोत्सव समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने कहा कि आज हमलोग बाबू वीर कुँवर सिंह जी के विजयोत्सव के अवसर पर उपस्थित हुए हैं, जिन्होंने 23 अप्रैल 1958 को विजय हासिल की थी। आज उसका 160 वर्ष पूरा हुआ है। उन्होंने कहा कि हमलोगों ने पूरे बिहार में गुरु गोविंद सिंह जी महाराज के 350वें जन्मोत्सव के मौके पर प्रकाश पर्व का आयोजन किया, जिसका शुकराना समारोह के जरिये समापन हुआ। महात्मा गांधी के चम्पारण सत्याग्रह के 100 साल पूरा होने पर शताब्दी वर्ष का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि 10 अप्रैल 1917 को महात्मा गांधी पटना आये और मुजफ्फरपुर होते हुए चम्पारण गए थे। चम्पारण में गांधी जी ने निलहों द्वारा स्थानीय किसानों पर किये जा रहे अत्याचार को देखा–सुना जिसने अपने आप सत्याग्रह का रूप धारण कर लिया और अंग्रेजों को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया और अंग्रेजों को नया कानून बनाना पड़ा। 10 अप्रैल

2017 से ही शताब्दी समारोह कार्यक्रम के तहत कई आयोजन किये गए। देश भर के गांधीवादी विचारकों, बुद्धिजीवियों को बुलाकर संगोष्ठी का आयोजन किया गया और स्वतंत्रता सेनानियों को सम्मानित भी किया गया। पंडित राजकुमार शुक्ल के गाँव, भितिहरवा जैसे अन्य कई स्थान जो महात्मा गांधी के चंपारण सत्याग्रह से जुड़े हैं, उन जगहों पर कार्यक्रम कराया गया। उसी समय मेरे मन में यह बात आयी कि 1857 विद्रोह के महानायक बाबू वीर कुंवर सिंह के 160वें विजयोत्सव के मौके पर तीन दिवसीय समारोह का आयोजन किया जाएगा ताकि 1857 के विद्रोह में जो बाबू वीर कुँवर सिंह की भूमिका थी, उसे लोग जान–समझ पाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबू वीर कुंवर सिंह ने लॉग मार्च के जरिये करीब 2300 किलोमीटर की यात्रा की थी। आज के हिसाब से देखा जाय तो यह दूरी दोगुनी या तिगुनी हो जाएगी क्योंकि उस समय आज की तरह सड़कें नही थीं। बाबू वीर कुंवर सिंह ने 1857 के विद्रोह में अंग्रेजों के खिलाफ बिगुल फूंका था, उस वक्त ईस्ट इंडिया कंपनी का शासन था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पटना के वीर कुंवर सिंह आजादी पार्क में बाबू वीर कुंवर सिंह की प्रतिमा और म्यूरल लगाई गई है, जिसको देखकर लोग देश की आजादी की लड़ाई में बाबू वीर कुंवर सिंह के जो योगदान रहे हैं, उन्हें भलीभाँति जान सकें। उनके अलावा अन्य स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को भी वीर कुँवर सिंह आजादी पार्क में प्रदर्शित किया जाएगा। पुस्तकों का भी विमोचन होगा। वीर कुँवर सिंह विजयोत्सव–2018 के मद्देनजर तीन दिनों तक अनेक प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अलावा 25 अप्रैल को संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया है, जिसमे देश भर से लोग आमंत्रित हैं। इस संगोष्ठी में वीर कुंवर सिंह की भूमिका पर विस्तृत रूप से जानकार लोग अपनी राय रखेंगे। सभी कार्यक्रमों की रिकॉर्डिंग की जाएगी, जिसके आधार पर बाबू वीर कुँवर सिंह जी की भूमिका पर नए तरीके से पुस्तकें तैयार की जाएंगी। गांधी जी के जीवन और उनके संदेशों को कथावाचन और कहानियों के माध्यम से युवा पीढ़ी को अवगत कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 3 दिनों का यह कार्यक्रम सिर्फ सांकेतिक नहीं है बल्कि इसका मकसद लोगों को बाबू कुँवर सिंह के बारे में अवगत कराना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास समीक्षा यात्रा के क्रम में हम दावा गाँव गए थे, जहां जाने पर पता चला कि उज्जैन के राजा ने गया जाने के क्रम में दावा गांव में रात्रि विश्राम किया था। वे बाद में आकर जगदीशपुर में बस गए, जिनके वंशज बाबू वीर कुँवर सिंह हैं। उन्होंने कहा कि कुँवर सिंह का संदेश क्या था, जो 80 साल की उम्र में भी अंग्रेजों के सामने घुटने टेकने को तैयार नहीं थे, यह बड़ी बात है जिसे हमें सोचने की आवश्यकता है। समाज के हर तबके का साथ लेकर बाबू वीर कुँवर सिंह ने विजय हासिल की थी। आज से 160 साल पहले उन्होंने विजय हासिल की थी, तब उनकी उम्र 80 साल थी। उनकी भूमिका अविस्मरणीय है। वे जबरदस्त रणनीतिकार थे। सभी तबकों का साथ लेकर चलने की जो बाबू वीर कुंवर सिंह की भूमिका थी, सबलोग उनकी इस भूमिका को अच्छी प्रकार समझ ले यही हमारी इच्छा है। उन्होंने कहा कि जगदीशपुर में जिस प्रकार से संग्रहालय विकसित किया गया है, उसी प्रकार आरा भवन को भी विकसित किया जाएगा। जनसभा में मौजूद लोगों से आह्वान करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सभी लोग इतनी बड़ी तादाद में इतनी अधिक गर्मी के बाद भी उपस्थित हुए, यह बाबू वीर कुंवर सिंह के प्रति आपके उत्साह का प्रकटीकरण है। इस उत्साह को कायम रखते हुए बाबू वीर कुंवर सिंह के दिए गए सामाजिक समरसता के संदेशों को आत्मसात करते हुए समाज मे आपसी प्रेम, सद्भाव और भाईचारा का माहौल हर हाल में बनाये रखियेगा।

विजयोत्सव समारोह के अंत मे स्थानीय नेताओं एवं जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री को फूलों की बड़ा माला पहनाकर और उन्हें शॉल भेंटकर उनका स्वागत किया।

विजयोत्सव समारोह को उप मुख्यमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी, केंद्रीय ऊर्जा राज्य मंत्री श्री आर0के0 सिंह, कला संस्कृति एवं युवा विभाग के मंत्री श्री कृष्ण कुमार ऋषि, उद्योग मंत्री श्री जय कुमार सिंह, पर्यटन मंत्री श्री प्रमोद कुमार, खान एवं भूतत्व सह भोजपुर जिले के प्रभारी मंत्री श्री विनोद कुमार सिंह, कला संस्कृति एवं युवा विभाग के प्रधान सचिव श्री चैतन्य प्रसाद ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर मॉरीशस से आयी भोजपुरी स्पीकिंग यूनियन की अध्यक्ष श्रीमती सरिता बुद्धू, विधायक श्री राम विष्णु सिंह, विधान पार्षद श्री राधा चरण साह, विधान पार्षद श्री संजीव श्याम सिंह, पूर्व मंत्री श्री भगवान सिंह कुशवाहा, पूर्व सांसद श्रीमती मीना सिंह, पूर्व विधायक भाई दिनेश, मुख्य सचिव श्री अंजनी कुमार सिंह, पर्यटन विभाग के सचिव श्री पंकज कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री मनीष कुमार वर्मा, शाहाबाद के पुलिस उप–महानिरीक्षक श्री कुमार एकले, भोजपुर जिलाधिकारी श्री संजीव कुमार, पुलिस अधीक्षक श्री अवकाश कुमार सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति, वरीय अधिकारीगण, स्कूल–कॉलेज की छात्र–छात्राएं एवं स्थानीय लोग मौजूद थे।

*****